दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-७९ वा | गुरूवार २५ दिसंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मुंबई का महापौर हमारा ही होगा, ठाकरे भाइयों ने कि गठबंधन की घोषणा

मुंबई को तोड़ने का प्रयास करने वालों का सफाया करने का संकल्प

जमीर काझी

मुंबई- पिछले छह महीनों से विभिन्न कार्यक्रमों के अवसर पर एक साथ घूमते रहे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे इन भाइयों ने आखिरकार बुधवार को राजनीतिक रूप से एक साथ आने की आधिकारिक घोषणा की। बृहन्मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य की कई महानगरपालिकाओं की चुनाव शिवसेना ठाकरे गुट और मनसे गठबंधन करके एक साथ लड़ने की घोषणा उन्होंने संयुक्त पत्रकार परिषद लेकर की। मुंबई का महापौर मराठी मानुष होगा और वह हमारा ही होगा, ऐसा दावा भी उन्होंने इस समय किया। वरली सी-फेस के पास ब्लू सी होटल में गठबंधन की घोषणा करने से पहले उन्होंने शिवतीर्थ जाकर शिवसेना प्रमुख बाळासाहेब ठाकरे के स्मृतिस्थल के दर्शन किए।पत्रकार परिषद के समय दोनों भाइयों के परिवार एक साथ थे। लगभग दो दशकों बाद दोनों भाई राजनीतिक रूप से एक साथ आए हैं। उन्होंने गठबंधन की घोषणा करने के बाद मुंबई सहित राज्य में जगह-जगह शिवसैनिकों और मनसे के कार्यकर्ताओं ने ढोल-ताशे बजाकर, मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

राज ठाकरे ने कहा, 'हम एक साथ लड़ रहे हैं यह घोषित कर रहा हूं। बाकी की घोषणा सार्वजनिक सभाएं शुरू होने पर करेंगे। मेरी एक साक्षात्कार हुई थी, उस साक्षात्कार में मैंने कहा था, किसी भी विवाद और झगड़े से महाराष्ट्र बड़ा है। मुझे लगता है कि उस वाक्य से एक साथ आने की शुरुआत हुई।'

ऐसा कहकर राज ठाकरे ने कहा, 'कौन कितनी सीटें लड़ेगा यह आंकड़ा मैं आपको नहीं बताऊंगा, महाराष्ट्र में अभी छोटे बच्चों को अपहरण करने वाली कई टोलियां घूम रही हैं। उनमें दो टोलियां और ज्यादा सक्रिय हैं। वे राजनीतिक दलों के बच्चों को अपहरण करती हैं, ऐसा तंज भाजपा और शिंदे

गुट पर कसा। चुनाव लड़ने वाले हैं, उन उम्मीदवारों को दोनों दलों से उम्मीदवारी दी जाएगी। शिवसेना के साथ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठबंधन हुआ यह घोषित कर रहा हूं, ऐसा भी उन्होंने कहा।

इस समय उद्धव ठाकरे ने कहा कि, संजय राऊत ने संयुक्त महाराष्ट्र के संघर्ष की याद दिलाई। वह जो मंगल कलश लाया गया वह किसी सत्यनारायण पूजा जैसा नहीं लाया गया। उसके पीछे बड़ा संघर्ष हुआ है। १०५ या १०७ या उससे भी ज्यादा मराठी मानुषों ने बलिदान देकर मुंबई महाराष्ट्र को दिलाई और उसकी याद आज होना स्वाभाविक है। हम आज दोनों यहां ठाकरे के रूप में बैठे हैं। हमारे दोनों के दादा प्रबोधनकार ठाकरे संयुक्त महाराष्ट्र के संघर्ष के पहले पांच सेनापतियों में से एक सेनापति थे। उनके साथ मेरे पिता यानी शिवसेना प्रमुख हिंदूहृदयसम्राट बाळासाहेब ठाकरे, राज ठाकर के पिता यानी मेरे चाचा श्रीकांत ठाकरे, यानी पूरा ठाकरे खानदान उस समय मुंबई के लिए संघर्ष कर रहा था। उसके बाद का इतिहास मैं अब बताता नहीं हूं, मुंबई महाराष्ट्र को मिलने के बाद मुंबई में ही मराठी मानुष की छाती पर बाहरी लोग नाचने लगे। उस समय न्याय हक के लिए शिवसेना प्रमुख को शिवसेना को जन्म देना पड़ा। अगले साल शिवसेना को ६० साल पूरे होंगे। इतने साल अच्छे से गए, अब फिर देख रहा हूं कि मुंबई के टुकड़े करने, मुंबई के चिथड़े उड़ाने के मनसूबे उन लोगों के प्रतिनिधि ऊपर यानी अब दिल्ली में बैठे हैं, उनके मनसूबे हैं, ऐसा कहकर वे बोले, 'अब अगर हम झगड़ते रहे, तो वह जो संघर्ष था, वह जो हुतात्मा स्मारक है, उसका बड़ा अपमान होगा। आज हम कर्तव्य के रूप में एक साथ आए हैं और पहले कहा था कि एक साथ आए हैं, वह एक साथ रहने के लिए। आगे मुंबई और महाराष्ट्र पर कोई टेढ़ी नजर से या कपटी साजिश से मुंबई को महाराष्ट्र से और

▶▶पान ४ पे

कम्प्यूटेशन की वसूली १५ वर्ष के बजाय १२ वर्ष में करने पर महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (मैट) की रोक

बीड । संवाददाता

महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के राज्य सलाहकार जी. जी. जोशी (सेवानिवृत्त लेखा अधिकारी, शिक्षा विभाग, बीड) ने अपने मूल पेंशन का ४० प्रतिशत हिस्सा शासन को कम्यूटेशन (अंशराशीकरण) के रूप में सौंपा था। शासन के आदेशानुसार इसकी वसूली उनकी पेंशन से १५ वर्षों में की जानी थी।

हालांकि, संगठन का कहना है कि १५ वर्ष के स्थान पर १२ वर्ष में ही पूरी वसूली हो जानी चाहिए थी और इसके बावजूद की गई अतिरिक्त कटौती अन्यायपूर्ण व हितों के प्रतिकूल है। इस संबंध में महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के राज्य अध्यक्ष शेख वजीर, राज्य महासचिव डी. एम. राऊत, राज्य कार्याध्यक्ष रामहरी घुले और राज्य उपाध्यक्ष शहाजी कदम द्वारा शासन से बार-बार अनुरोध किया गया कि-

कम्यूटेशन की वसूली १५ वर्ष के बजाय १२ वर्ष तक सीमित की जाए

अतिरिक्त रूप से वसूल की गई राशि वापस की जाए

आगे की कटौती तत्काल रोकी जाए

शासन द्वारा कोई स्थगन आदेश जारी न किए जाने के कारण, संबंधित कर्मचारी को विवश होकर महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण, औरंगाबाद में अपील दायर करनी पड़ी। इस पर सुनवाई के बाद मैट ने वसूली पर स्थगन आदेश देते हुए शासन और कोषागार बीड को वसूली रोकने का निर्देश दिया।

इसके बावजूद जिला कोषागार कार्यालय, बीड द्वारा बार-बार शासन से मार्गदर्शन मांगते हुए वसूली बंद नहीं की गई। परिणामस्वरूप, संबंधित कर्मचारी ने मैट में अवमानना याचिका क्रमांक ५४/२०२५ दाखिल की। मैट के नोटिस क्रमांक ११८४ (दिनांक १४.१०.२०२५) के अनुसार जिला कोषागार अधिकारी, बीड को २५.११.२०२५ को उपस्थित होकर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया कि स्थगन आदेश के बावजूद वसूली क्यों नहीं रोकी गई।

इसके बाद जिला कोषागार अधिकारी, बीड ने अक्टूबर २०२५ में देय (नवंबर २०२५ में भुगतान योग्य) पेंशन में सुधार करते हुए बिना कटौती के संशोधित पेंशन का भुगतान किया। साथ ही तीन माह की लंबित कटौती की राशि दिनांक १५.१२.२०२५ को कुल १४,९३४ संबंधित कर्मचारी को अदा की गई।

हालांकि, संगठन का कहना है कि शासन द्वारा कोषागार के माध्यम से तीन वर्षों में की गई अतिरिक्त वसूली ३,८०,५१९ अब तक वापस नहीं की गई है। इस विषय में मैट, औरंगाबाद में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सूर्यवंशी एवं एस. टी. जाधव के माध्यम से पुनः याचिका दाखिल की गई है। संगठन ने मांग की है कि अतिरिक्त वसूली की गई राशि बिना विलंब के संबंधित कर्मचारी को लौटाई जाए।

संगठन ने यह भी अनुरोध किया है कि वर्तमान में ब्याज दरें कम हैं और जीवन प्रत्याशा भी घट रही है, इस तथ्य पर

▶▶पान ४ पे

छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका चुनाव की जिम्मेदारी सांसद बजरंग सोनवणे के कंधों पर

पुणे । संवाददाता

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने आगामी महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक तैयारियों को तेज़ कर दिया है। इसी कड़ी में छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका के चुनाव प्रभारी पद पर सांसद बजरंग सोनवणे की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे की मंजूरी से घोषित की गई।

छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका चुनाव को पार्टी के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। शहर और आसपास के इलाकों में पार्टी संगठन को और मज़बूत करने की ज़िम्मेदारी सांसद सोनवणे को सौंपी गई है। आगामी चुनावों के मद्देनज़र उन्हें स्थानीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, नगरसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय बनाकर एक प्रभावी चुनावी रणनीति लागू करनी होगी।

इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद बजरंग सोनवणे ने पार्टी द्वारा जताए गए भरोसे पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार माना। सोनवणे ने कहा कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को मज़बूत करते हुए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद बनाएंगे। आम नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए आगामी महानगरपालिका चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को सफलता दिलाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे।

इस बीच, इस नियुक्ति के बाद छत्रपति संभाजीनगर शहर में राजनीतिक गतिविधियों में तेज़ी आने की संभावना है। पार्टी ने संकेत दिए हैं कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हो चुकी है। संगठन को मज़बूत करना, बूथ स्तर पर तैयारी, मतदाताओं से संवाद और स्थानीय मुद्दों पर आधारित प्रचार पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा। सांसद बजरंग सोनवणे के पास चुनावी प्रबंधन का व्यापक अनुभव होने के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गेवराई पुलिस की म्हाळस पिंपलगांव गोदापात्र में छापेमारी

केन सहित चार ट्रैक्टर जब्त; १४ लाख रुपये का माल ज़ब्त

गेवराई (रिपोर्टर): गेवराई तालुका के म्हाळस पिंपलगांव क्षेत्र में गोदापात्र से चल रहे अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ गेवराई पुलिस ने आज सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस कार्रवाई में केन सहित चार ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं और लगभग १४ लाख रुपये का माल ज़ब्त किया गया है।

गेवराई तालुका के विभिन्न हिस्सों में गोदापात्र से बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी पृष्ठभूमि में गेवराई पुलिस ने आज सुबह करीब १० बजे म्हाळस पिंपलगांव के गोदापात्र में छापा मारा। इस दौरान कुछ लोग ट्रैक्टरों से जुड़ी केनों की मदद से अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए पाए गए।

पुलिस के मौके पर पहुंचते ही रेत माफिया ट्रैक्टर वहीं छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल की जांच की, जहां केन सहित चार ट्रैक्टर पाए गए। पुलिस ने यह सारा माल जब्त कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग १४ लाख रुपये बताई गई है।

यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक किशोर पवार के मार्गदर्शन में की गई। इस छापेमारी में सहायक पुलिस निरीक्षक कोटकर, पुलिस उपनिरीक्षक सालुंके, उबाले, आढाव तथा पुलिस कर्मचारी जितेंद्र ओव्हाल, गोरख डोके सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

इस बीच, पुलिस निरीक्षक किशोर पवार ने चेतावनी दी है कि अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

बीड की सह्याद्री देवराई में आग

बीड । प्रतिनिधि

बीड शहर के समीप, अभिनेता एवं प्रकृति प्रेमी सयाजी शिंदे की संकल्पना से विकसित की गई सह्याद्री देवराई में बुधवार (दि. २४) रात्री आग लगने की घटना सामने आई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों, प्रकृति प्रेमियों और वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। देर रात तक आग पर काबू पाने का काम जारी रहा। हालांकि आग लगने का कारण क्या था और इसमें कितने पेड़ों को नुकसान हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी।

पालवन शिवार क्षेत्र के पहाड़ों पर सयाजी शिंदे की संकल्पना और प्रयासों से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है। इसके चलते यह पहाड़ी इलाका हरियाली से भर गया है और चारों ओर हरित वातावरण दिखाई देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्षेत्र बीडवासियों के लिए एक प्रकार का शुद्ध 'ऑक्सीजन हब' बन गया है। लेकिन यहां बार-बार आग लगने की घटनाएं सामने आती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से गर्मियों में आग लगती रही है, जिसमें कई पेड़ जलकर नष्ट हो चुके हैं।

इस वर्ष हालांकि कड़ाके की ठंड के दौरान आग लगने की घटना हुई है। बुधवार (दि. २४) रात करीब ८ बजे सह्याद्री देवराई में आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों ने वन विभाग को जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी, प्रकृति प्रेमी और स्थानीय नागरिक देवराई की ओर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। देर रात तक आग पर नियंत्रण पाने का काम जारी रहा।

इस आग में वास्तव में कितने पेड़ों को नुकसान हुआ और आग कैसे लगी, इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। लेकिन लगातार आग लगने की घटनाओं के कारण विभिन्न तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। विशेष रूप से कड़ाके की ठंड में, जब घास भी पूरी तरह सूखी नहीं होती, तब आग कैसे लगती है-इस सवाल पर भी चिंता व्यक्त की जा रही है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बीड नगरपालिका उपाध्यक्ष पद किसके पास?

कौन किसका सहयोग लेगा, दो दिनों में होगा साफ

बीड । संवाददाता

महाराष्ट्र की राजनीति में बेहद चर्चित रही बीड नगरपालिका चुनाव के नतीजों के बाद भी यह सवाल बना हुआ है कि उपाध्यक्ष पद किसके पास जाएगा। अध्यक्ष पद पर अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की उम्मीदवार ने जीत हासिल की है, लेकिन नगरपालिके में एकहाती सत्ता के लिए आवश्यक एक-तिहाई से अधिक नगरसेवकों का समर्थन किसी भी दल के पास नहीं है। ऐसे में अब अटकलें लगाई जा रही हैं कि अजित पवार गुट की एनसीपी भारतीय जनता पार्टी का समर्थन लेगी या फिर शरद पवार गुट की एनसीपी का। अगले दो दिनों में यह तस्वीर स्पष्ट होने की संभावना है।

बीड नगरपालिका चुनाव में अजित पवार गुट की एनसीपी, शरद पवार गुट की एनसीपी और भारतीय जनता पार्टी-इन तीनों ने आक्रामक रूप से चुनाव लड़ा। शरद पवार गुट की ओर से वर्तमान विधायक संदीप क्षीरसागर, अजित पवार गुट की ओर से विधायक विजय सिंह पंडित और भाजपा की ओर से डॉ. योगेश क्षीरसागर ने अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाई थी। चुनाव प्रचार के दौरान तीखे आरोप-प्रत्यारोप हुए, क्षीरसागर परिवार को लेकर कड़ी टिप्पणियां की गईं और बाहरी पार्सल बाहर भेजो जैसी बयानबाजी भी देखने को मिली।

मतगणना के दौरान मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। शुरुआती नौ राउंड तक भाजपा उम्मीदवार करीब दस हजार मतों की बढ़त बनाए हुए थे। हालांकि अंतिम चार राउंड में यह बढ़त टूट गई और अजित पवार गुट की उम्मीदवार प्रेमलता पारवे ने तीन हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की।

वहीं, २६ प्रभागों में ५२ नगरसेवकों के लिए हुए चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। अजित पवार गुट की एनसीपी को १९, भाजपा को १५, शरद पवार गुट की एनसीपी को १२, शिवसेना (शिंदे गुट) को ३ सीटें मिलीं, जबकि एमआईएम, कांग्रेस और ठाकरे गुट की शिवसेना को प्रत्येकी एक-एक सीट मिली। इस गणित के चलते उपाध्यक्ष पद के लिए किसी के पास भी स्पष्ट बहुमत नहीं है।

ऐसी स्थिति में यह देखना अहम होगा कि अजित पवार गुट संपूर्ण सत्ता हासिल करने के लिए शरद पवार गुट की एनसीपी का सहयोग लेता है या भाजपा का। यह फैसला अगले दो-तीन दिनों में सामने आने की संभावना है। विधायक विजय सिंह पंडित ने कल आयोजित पत्रकार परिषद में दोनों क्षीरसागर नेताओं पर तीखी आलोचना करते हुए कहा था कि उपाध्यक्ष पद को लेकर निर्णय तीन दिनों के भीतर लिया जाएगा।

ठाकरे बंधु मराठी मानुस के लिए नहीं, बल्कि पार्टी के अस्तित्व के लिए एक हुए-मंत्री आशीष शेलार

मुंबई । जमीर काज़ी

मराठी मानुस ने आपको अलग होने के लिए नहीं कहा था। उस समय आप किस लिए अलग हुए थे और अब किस कारण एक-दूसरे के गले लग रहे हैं? उस वक्त आप कहते थे कि मातोश्री के विठ्ठल को बड़वों ने घेर लिया है, चार कारकून पार्टी चला रहे हैं। फिर आज उन्हीं कारकूनों और बड़वों के साथ हाथ मिलाने की ज़रूरत क्यों पड़ रही है?-यह सवाल राज ठाकरे से करते हुए भाजपा नेता व मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने बुधवार को ठाकरे बंधुओं के एकजुट होने की कड़ी आलोचना की।

शेलार ने कहा कि ठाकरे बंधुओं का साथ आना अवसरवादियों की सत्ता-लालसा है। यह मराठी मानुस की अस्मिता के लिए नहीं, बल्कि पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिए किया गया गठबंधन है।

ठाकरे बंधुओं द्वारा युति की घोषणा के बाद शेलार ने एक पत्रकार परिषद में मुंबईकरों की ओर से कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी को घेरने वाले वे चार कारकून कौन हैं, और वे बड़वे कौन हैं-इसका जवाब दीजिए। अब मुंबईकर आपके पुराने वीडियो चलाएंगे, आपके बयानों की याद दिलाएंगे और आपको उनके जवाब देने होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि जब मुंबईकरों ने लोकतांत्रिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को आशीर्वाद दिया है, तब घबराई हुई मानसिकता में दो पार्टियां एक साथ आ रही हैं। यह मराठी मानुस की अस्मिता के लिए नहीं, बल्कि पार्टी के अस्तित्व के लिए किया गया प्रयास है।

मंत्री शेलार ने यह सवाल भी उठाया कि अब तक सीटों की घोषणा क्यों नहीं की गई। क्या इस बात का डर है कि एक भाई दूसरे भाई को धोखा दे रहा है?

राज ठाकरे के एक बयान का हवाला देते हुए शेलार ने कहा कि जब राज ठाकरे कहते हैं कि उम्मीदवारों को भगाने वाली टोली शहर में घूम रही है, तो फिर आपके साथ बैठे वे भाई-जिन्होंने आपके चुने हुए उम्मीदवारों को भगाया-क्या उसी टोली के सरगना हैं?

उद्धव ठाकरे के बयान पर भी शेलार ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में उनके दादा ने संघर्ष किया, जिस पर सभी को गर्व है। लेकिन सवाल यह है कि जिस कांग्रेस ने मराठी मानुस पर गोलियां चलाई थीं, उसी के साथ आपने हाथ कैसे मिला लिया? क्या आपके हाथ मराठी मानुस के खून से रंगे नहीं हैं? शेलार ने कहा कि मुंबईकर और मराठी मानुस अपना निर्णय पहले ही ले चुके हैं। इसी वजह से दोनों भाइयों द्वारा सीटों की घोषणा नहीं की जा रही है।

नगरपरिषद, पंचायतों में सीधे चुने गए अध्यक्ष को भी मिलेगा सदस्यता, मतदान का अधिकार!

राज्य मंत्रिमंडल की हरी झंडी; अधिनियम में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी करेंगे

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई : नगरपरिषदों और नगरपंचायतों में सीधे निर्वाचित हुए अध्यक्ष को अब सदस्यता तथा मतदान का अधिकार मिलेगा। इसके लिए महाराष्ट्र नगरपरिषदें, नगरपंचायती तथा औद्योगिक नगरी अधिनियम, १९६५ में संशोधन करने हेतु अध्यादेश जारी करने का निर्णय बुधवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

नगरपरिषद तथा नगरपंचायत का सदस्य बनने के लिए पात्र व्यक्ति अध्यक्ष बनने के लिए भी पात्र होता है। इसलिए कोई व्यक्ति अध्यक्ष के रूप में तथा साथ ही सदस्य के रूप में भी निर्वाचित हो सकता है और दोनों पदों पर निर्वाचित हो सकता है। ऐसी व्यक्ति को दोनों पदों के लिए जनादेश प्राप्त होता है। इसी कारण सदस्यों में से अध्यक्ष निर्वाचित हुई व्यक्ति सदस्य बनी रहती है और साथ ही अध्यक्ष तथा सदस्य के रूप में भी कार्य करती है।

सीधे निर्वाचित तथा सदस्यों में से निर्वाचित अध्यक्ष को जनादेश प्राप्त होता ही है। इसलिए इस संशोधन के अनुसार अब अध्यक्ष के रूप में सीधे निर्वाचित व्यक्ति तथा सदस्य के रूप में सीधे निर्वाचित व्यक्ति एक साथ दोनों पद धारण कर सकेगा, ऐसा संशोधन किया जाएगा। साथ ही अध्यक्ष को सदस्य के रूप में एक मत देने का अधिकार मिलेगा। ऐसी व्यक्ति को अध्यक्ष अथवा सदस्य के रूप में एक मत देने का अधिकार होगा तथा मतों की बराबरी होने पर अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार रहेगा, ऐसा संशोधन इस अधिनियम में किया जाएगा। इसके संबंध में अध्यादेश जारी करने की बैठक में मंजूरी दी गई।

अतिक्रमणधारकों द्वारा तलाठी पर हमला, आठ लोगों पर एट्रोसिटी का मामला दर्ज

संवाददाता

वडवणी (): वडवणी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने गई राजस्व विभाग की टीम पर अतिक्रमणधारकों ने हमला किया। गट नंबर ६५६ में अतिक्रमण हटाने के दौरान संबंधित अधिकारियों के साथ गाली-गलौज की गई, तलाठी के मुंह पर थप्पड़ मारे गए तथा जातिसूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में चिखलबीड सजा के तलाठी परमेश्वर श्रीराम काले की शिकायत पर वडवणी पुलिस थाने में आठ लोगों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट सहित शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, वडवणी के गट नंबर ५५६ में २५ टीन की दुकानें हैं, जो अतिक्रमण की श्रेणी में आती हैं। इस कारण तहसीलदार ने ग्राम राजस्व अधिकारी परमेश्वर काले को अतिक्रमणधारकों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश देने के लिए कहा था। जब काले ने संबंधित अतिक्रमणधारकों को यह सूचना दी, तब बिलाल अमीन कुरेशी ने दुकानें खाली न करने की बात कहते हुए काले की जाति को लेकर गाली-गलौज की।

इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे परमेश्वर काले अपने सहकर्मियों के साथ गट नंबर ६५६ में अतिक्रमण हटाने गए। उस समय बिलाल कुरेशी, समीर हबीब कुरेशी, मुजाहिद हमीद कुरेशी, असलम मजीद कुरेशी, सलमान बिलाल कुरेशी, जाकेर बिलाल कुरेशी, अस्ताफ लालू कुरेशी और रियाज लालू कुरेशी ने शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए अतिक्रमण हटाने से रोकने का प्रयास किया। साथ ही परमेश्वर काले के मुंह पर थप्पड़ मारे गए और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

काफी गड़बड़ी के बाद आखिरकार मौके पर अतिक्रमण हटाया गया। इस प्रकरण में परमेश्वर काले की शिकायत पर वडवणी पुलिस थाने में संबंधित आरोपियों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट सहित शासकीय कार्य में बाधा डालने और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एमआईएम की पहली सूची घोषित, काकड़े, हाजी शेरखान, अजहर पठान और इमरान पटेल को टिकट

छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद), २४ दिसंबर (डी-२४ न्यूज़) -

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) पार्टी के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज़ जलील ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इस सूची में कुल ८ उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सभी दलों से पहले उम्मीदवारों की सूची जारी कर एमआईएम ने बढ़त ली है।

छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) महानगरपालिका चुनाव के लिए घोषित इस पहली सूची में निम्न उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है-

प्रभाग १: अजहर अय्यूब खान

प्रभाग ३: इमरान पटेल

प्रभाग ९: काकासाहेब काकड़े

प्रभाग ९: मतीन मजीद शेख

प्रभाग १२: हाजी शेरखान अब्दुल रहमान खान

प्रभाग २८: साबेर पाशू खान

प्रभाग २८: अब्दुल मतीन खान

प्रभाग १६: सैयद फरहान नेहरी

एमआईएम द्वारा सबसे पहले उम्मीदवारों की सूची घोषित किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और जश्न मनाया जा रहा है।

नासिक महानगरपालिका के लिए भी पहली सूची घोषित की गई है, जिसमें-

प्रभाग १४: जबीन रमज़ान पठान

प्रभाग ३०: नगमा इरफान शेख

प्रभाग १५: इलियास नूर शेख कुरैशी

वहीं, जलना महानगरपालिका चुनाव में मोहम्मद माजिद की उम्मीदवारी भी घोषित की गई है।

शहर में यातायात और सार्वजनिक सभ्यता का उल्लंघन: पुलिस की भाषा पर सवाल!

'गाड़ी से घोषणा' करने वाली पुलिस, चौराहों पर जाम और सब्ज़ी मंडी में अश्लील भाषा का बोलबाला

बीड । प्रतिनिधि

बीड शहर में इस समय यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों पर सभ्यता के अभाव जैसे दो गंभीर मुद्दे सामने आए हैं। शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर लगातार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नागरिकों का आरोप है कि कुछ यातायात पुलिसकर्मी केवल अपनी गाड़ी में बैठकर स्पीकर के माध्यम से घोषणाएं करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन वाहन से उतरकर वास्तविक रूप से ट्रैफिक नियंत्रित नहीं करते।

इसी के साथ बीड की मुख्य सब्ज़ी मंडी में महिलाओं और युवतियों के साथ अभद्र व्यवहार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ सब्ज़ी विक्रेता और ठेलेवाले महिलाओं को लक्षित कर दोहरे अर्थ वाली और कई बार खुली अश्लील भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इस पर कड़ी और त्वरित कार्रवाई की मांग ज़ोर पकड़ रही है।

१. यातायात पुलिस की 'गाड़ी से ड्यूटी'

शहर के हर प्रमुख चौराहे और बाजार क्षेत्र में भारी ट्रैफिक जाम देखा जा रहा है। कई बार स्थिति पूरी तरह बेकाबू हो जाती है।

नागरिकों का कहना है कि कुछ यातायात पुलिसकर्मी अपनी गाड़ी में बैठे रहते हैं और स्पीकर से गाड़ियाँ साइड में लें जैसी घोषणाएँ कर आगे निकल जाते हैं। वे न तो सड़क पर उतरकर संकेत देते हैं और न ही अनुशासनहीन वाहनों पर कार्रवाई करते हैं। इससे चौराहों पर अव्यवस्था बढ़ती है और यातायात और अधिक धीमा हो जाता है।

परिणाम:

पुलिस की इस निष्क्रियता के कारण शहर की सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। विद्यार्थियों से लेकर नौकरीपेशा लोगों तक सभी का कीमती समय बर्बाद हो रहा है। यातायात नियंत्रण के लिए तैनात कर्मियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सड़क पर उतरकर सक्रिय रूप से काम करें।

२. सब्ज़ी मंडी में महिलाओं से छेड़छाड़

बीड की मुख्य सब्ज़ी मंडी की स्थिति और भी अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। सब्ज़ी खरीदने आई महिलाओं और लड़कियों पर कुछ सब्ज़ी विक्रेताओं और ठेलेवालों द्वारा दोहरे अर्थ की और कभी-कभी सीधे अश्लील भाषा में चिल्लाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

अपराध:

सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की भाषा का प्रयोग, विशेषकर महिलाओं को लक्षित करके, न केवल सार्वजनिक शालीनता का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत यह एक गंभीर अपराध भी है।

मांग:

महिला संगठनों और नागरिकों ने मांग की है कि महिलाओं को अपमानित और शर्मिंदा करने वाले इन विक्रेताओं के खिलाफ पुलिस को तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि कानून का भय पैदा हो और इस तरह की अश्लीलता पर रोक लग सके।

पुलिस से ठोस कार्रवाई की अपेक्षा

इन दोनों समस्याओं के चलते बीड शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। नागरिकों का कहना है कि पुलिस प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेकर:

यातायात पुलिस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उन्हें गाड़ी में बैठकर नहीं, बल्कि सड़क पर उतरकर काम करने के निर्देश देने चाहिए।

सब्ज़ी मंडी में अश्लील भाषा का प्रयोग करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा २९४ (अश्लील कृत्य और शब्द) के तहत तत्काल मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

यदि पुलिस समय पर और सख्ती से कदम उठाती है, तो शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सकती है और महिलाएं सब्ज़ी मंडी में सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहौल में खरीदारी कर सकेंगी।

पान १ वरून

मुंबई का महापौर हमारा...

मराठी मानुष से तोड़ने का प्रयास करेगा उसका सफाया किए बिना नहीं रहेंगे यह शपथ लेकर मैदान में उतरे हैं। विधानसभा के समय भाजपा ने जो दुष्प्रचार किया था, 'बटेंगे तो कटेंगे' वैसा ही मैं मराठी मानुष को कहता हूं, अब अगर गलती की तो खत्म, अब अगर बंटे तो पूरी तरह खत्म हो जाओगे।' मराठी मानुष आमतौर पर किसी के रास्ते में नहीं आता। उसके रास्ते में अगर कोई आ गया तो उसे वापस जाने नहीं देता, ऐसा इशारा भी उन्होंने दिया।

सांसद संजय राऊत ने कहा, ': जिस संख्या में आप सभी यहां उपस्थित हैं और आपमें जो उत्साह दिख रहा है, उसे देखकर एक बात निश्चित है कि आज का दिन महाराष्ट्र के लिए ऐतिहासिक है। संयुक्त महाराष्ट्र के संघर्ष के बाद जो महाराष्ट्र का मंगल कलश महाराष्ट्र में आया, वह मराठी एकता का मंगल कलश था और आज मराठी एकता का मंगल कलश लेकर उद्धव और राज आपके सामने आए हैं। वही आनंद का क्षण आज महाराष्ट्र के जीवन में आया है। यही मंगल कलश मुंबई सहित कई महानगरपालिकाओं में भगवा ध्वज फहराए बिना नहीं रहेगा और इस महाराष्ट्र को केवल ठाकरे ही नेतृत्व दे सकते हैं और महाराष्ट्र ठाकरों के पीछे ही जाएगा।'

सांसद अरविंद सावंत ने कहा, ': शिवसेना (उबाठा) और मनसे के गठबंधन का लोगों में बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह आनंद का क्षण है। सांसद वरुण सरदेसाई : शिवसेना (उबाठा) और मनसे एक साथ आने का आनंद है। हमारे साथ सभी मराठी हैं। आज तक मराठी यानी केवल उपनाम देखकर हमने वोट नहीं मांगे। हमें सभी लोग वोट देते हैं, आगे भी देंगे। मुंबई में पिछले ३० वर्षों से शिवसेना की सत्ता रही है। वह फिर एक बार अविभाजित रहेगी।'

कम्यूटेशन की वसूली १५ वर्ष के बजाय...

सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए। साथ ही ग्राम विकास विभाग, महाराष्ट्र शासन के परिपत्र (न्यायप्र २५१७, प्र.क्र.१७४/आस्था-१०, दिनांक ०१.०८.२०१७) के अनुसार-यदि किसी एक वर्ग के कर्मचारियों के पक्ष में मैट, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आता है, तो उसी वर्ग के अन्य कर्मचारियों को भी समान लाभ दिए जाएं।

इसी आधार पर संगठन की ओर से यह मांग की गई है कि शासन तत्काल निर्णय लेते हुए अंशराशीकरण (कम्यूटेशन) की वसूली अवधि १५ वर्ष के बजाय १२ वर्ष निर्धारित करने संबंधी शासन निर्णय (ऋष्ठ) जारी करे, ताकि सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित सुरक्षित रह सकें।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com